NEWS CLIPPING: 01.12.2020

PUNJAB KESARI

एआईसीटीई अध्यक्ष ने जे.सी. बोस विवि. में किया प्रतिमा का अनावरण

■ जे.सी. बोस जैसे महान वैज्ञानिकों की जीवनी बने पाठ्यक्रमों का हिस्साः प्रो. सहस्त्रबुद्धे

फरीदाबाद, 30 नवम्बर (ब्यरो): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने आज महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन किया। प्रो. सहस्त्रबुद्धे विश्वविद्यालय में इंटरनेट आफ थिंग्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता थे। स मेलन में विज्ञान भारती (विभा) के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे विशिष्ट अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। की। प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय में एआईसीटीई के सहयोग से स्थापित कौशल और व्यक्तित्व विकास केंद्र का भी उद्घाटन किया तथा

विश्वविद्यालय में जे.सी. बोस की प्रतिमा का अनावरण करते हुए एआईसीटीई चेयरमैन प्रो. सहस्त्रबुद्धे व अन्य।

विश्वविद्यालय परिसर में एक पौधा लगाया। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा गया है।

उल्लेखनीय है कि आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 में इस महान वैज्ञानिक के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया था। लगभग 3.75 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के बहुमंजिला भवन का निर्माण 1600 वर्ग फुट के क्षेत्र में किया गया है, जिसमें 12 क्लासरूम, तीन लैब और एक कॉन्फ्रेंस हॉल शामिल हैं। यह भवन सामुदायिक महाविद्यालय के चल रहे पाठ्यक्रमों की आवश्यकता को पूरा करेगा, और इस भवन के भूतल पर सिविल इंजीनियरिंग की नई प्रयोगशालाएँ भी विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि महान भारतीय वैज्ञानिकों की जीवनी को पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी को जेसी बोस, एसएन बोस और सीवी रमन जैसे महान वैज्ञानिकों के बारे में पता चले न कि उन्हें केवल अन्य विदेशी वैज्ञानिकों की महानता के बारे में पढ़ाया जाए। विश्वविद्यालय के विस्तार की योजना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि विश्वविद्यालय को अपने नए परिसर में मानविकी विषय के और अधिक पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए। इससे पहले, प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल, विशेष रूप से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने 'वन नेशन, वन डेटा' की अवधारणा पर डेटा संग्रह के लिए एक कॉमन प्लेटफार्म विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयंत सहस्त्रबुद्धे ने मौलिक ज्ञान के निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हम विदेशों से प्रौद्योगिकी और मशीनरी आयात कर सकते हैं, लेकिन अंततः इन प्रौद्योगिकियों के निर्माण के पीछे मूल ज्ञान हमारा होना चाहिए। ज्ञान के निर्माण के बिना वास्तविक आत्म निर्भरता प्राप्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि वहीं देश दुनिया का नेतृत्व करेगा जोकि ज्ञान सृजन करेगा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के गर्ग गर्ग, विभा के सचिव प्रवीण रामदास और डी.पी. भारद्वाज भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue,01 December 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

HINDUSTAN

अपने युग से कहीं आगे थे जेसी बोस : सहस्त्रबुद्धे

अनावरण

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में सोमवार को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने संस्थान में लगी जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही परिसर में ही कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन भी किया।

प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय में एआईसीटीई के सहयोग से स्थापित कौशल और व्यक्तित्व विकास केंद्र का भी उद्घाटन किया और एक पौधा लगाया। इस अवसर उन्होंने कहा कि जगदीश चंद्र बोस अंतःविषय अनुसंधान शुरू करने वाले दुनिया के पहले शोधकर्ता थे। जबकि आज हम अपनी नई शिक्षा नीति में अंतःविषय अनुसंधान पर बल देने की बात कर रहे हैं, जो साबित करता है कि जेसी बोस अपने युग से कहीं आगे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को अपने नए परिसर में मानविकी विषय के और अधिक पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए। साथ ही विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सस्टिम की सराहना की।

कौशल विकास महाविद्यालय में होंगी कई सुविधाएं

संस्थान में निर्मित कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के बहुमंजिला भवन का निर्माण 1600 वर्ग फुट के क्षेत्र में करीब लगभग 3.75 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसमें 12 क्लासरूम, तीन लैब और एक कॉन्फ्रेंस हॉल शामिल हैं। इसके भूतल पर सिविल इंजीनियरिंग की नई प्रयोगशालाएं भी विकसित की जाएंगी।

नया परिसर मिलने पर 15 हजार छात्र क्षमता बढ़ेगी

इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में करीब 46 सौ छात्र पढ़ रहे हैं। जल्द ही इसका विस्तार फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग पर लगभग 20 एकड़ भूमि पर किया जाना है। नया परिसर के बनने के बाद विश्विद्यालय की विद्यार्थी क्षमता को 15 हजार तक बढ़ाया जा सकेगा।

ऑनलाइन पाठ्यक्रम विभिन्न भाषाओं में मिलेंगे

प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि एआईसीटीई ने अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रभाग की स्थापना की है। एआईसीटीई जल्द ही स्वयं और एनपीटीईएल पर उपलब्ध ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का आठ अलग-अलग क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में अनुवाद करवाएगा। उन्होंने एमएचआरडी के इनोवेशन सेल, एआईसीटीई और काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च की ओर से प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुरू की गई ड्रग डस्किवरी हैकथॉन का भी समर्थन किया और सभी तकनीकी संस्थानों से इस पहल में हिस्सा लेने की अपील की।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करते एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. सहस्त्रबुद्धे। साथ में हैं विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारी। • हिन्दुस्तान

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

THE PIONEER

कोलकाता के बाद जगदीश चंद्र बोस के नाम पर दूसरा संस्थान

फरीदाबाद। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन किया। प्रो. सहस्त्रबुद्धे विश्वविद्यालय में इंटरनेट आफ थिंग्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता थे। सम्मेलन में विज्ञान भारती (विभा) के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे विशिष्ट अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। की। प्रो. सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय में एआईसीटीई के सहयोग से स्थापित कौशल और व्यक्तित्व विकास केंद्र का भी उद्घाटन किया तथा विश्वविद्यालय परिसर में एक पौधा लगाया। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा गया है। उल्लेखनीय है कि आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में जगदीश चंद्र बोस की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2018 में इस महान वैज्ञानिक के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया था।

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

DAINIK TRIBUNE

वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की मनायी जयंती

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में जेसी बोस की प्रतिमा का अनावरण करते प्रो. सहस्रबुद्धे। -निस

बल्लभगढ़ (निस) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे ने आज महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। प्रो. सहस्रबुद्धे विश्वविद्यालय में इंटरनेट आफ थिंग्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता थे। सम्मेलन में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्रबुद्धे विशिष्ट अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा गया है। इससे पहले प्लेसमेंट एलुमनाई तथा कॉर्पोरेट मामलों के डीन प्रो. विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, प्रवीण रामदास और डीपी भारद्वाज भी मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस की प्रतिमा का अनावरण किया

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे ने सोमवार को जेसी बोस विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का भी उद्घाटन किया। प्रो.अनिल इंटरनेट आफ थिंग्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता भी थे। सम्मेलन में विज्ञान भारती (विभा) के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्रबुद्धे विशिष्ट अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दिनेश कुमार ने की।

प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे ने इस मौके पर कहा कि कोलकाता में स्थापित बोस संस्थान जिसे बसु बिग्यान मंदिर के नाम से जाना जाता है। इसके बाद जेसी बोस विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एकमात्र ऐसा संस्थान है, जिसे महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया है। जगदीश चंद्र बोस अंत:विषय अनुसंधान शुरू करने वाले दुनिया के पहले शोधकर्ता थे। उन्होंने कहा कि महान भारतीय वैज्ञानिकों की जीवनी को पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी को जेसी बोस, एसएन बोस और सीवी रमन जैसे महान वैज्ञानिकों के बारे में पता चले। इससे पूर्व प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उच्चतर शिक्षा में शिक्षकों के लिए केवल पीएचडी ही आवश्यकता है। उनके पास कोई शैक्षणिक प्रशिक्षण नहीं होता। कई बार तकनीकी शिक्षकों में विद्यार्थियों को कुशलता से प्रशिक्षित करने की क्षमता का अभाव देखने को मिलता है। इसलिए, एआइसीटीई ने आठ-माड्यूल का एक अनिवार्य शिक्षक प्रमाणन कार्यक्रम विकसित किया है। जल्द ही सभी इंजीनियरिंग शिक्षकों को इस कार्यक्रम से गुजरना पड़ सकता है और मौजूदा शिक्षकों के पदोन्नति के लिए प्रमाणन अनिवार्य होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि बोस सही मायने में अंत:विषय के महान वैज्ञानिक थे और विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने पिछले पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय में हुए विकास कार्यों के बारे में एआइसीटीई अध्यक्ष को अवगत कराया।

प्रो.दिनेश कुमार ने बताया कि जल्द ही विश्वविद्यालय द्वारा जे.सी. बोस जयंती को कैलेंडर इवेंट बनाया जायेगा। इससे पहले, प्लेसमेंट, एलुमनाई तथा कॉर्पोरेट मामलों के डीन प्रो.विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। इस अवसर पर कुलसचिव डा.एस.के गर्ग गर्ग, विभा गके सचिव प्रवीण रामदास और डी.पी. भारद्वाज भी उपस्थित थे।

जेसी बोस विश्वविद्यालय में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा अनावरण करते एआइसीटीई के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे। उनके साथ हैं डीपी भारद्वाज और यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और बाएं से सुनील कुमार, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे • फोटो विश्वविद्यालय प्रवक्ता के सौजन्य से।

भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो.अनिल सहस्त्रबुद्धे ने प्रतिमा अनावरण के बाद विवि परिसर का भ्रमण किया

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस की प्रतिमा का अनावरण

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए का विस्तार होगा। विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए फरीदाबाद-गुड़गांव रोड पर विश्वविद्यालय तैयार किया जाएगा। सोमवार को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे ने विश्वविद्यालय परिसर में वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया और विश्वविद्यालय परिसर में कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन किया। प्रो. सहस्रबुद्धे विश्वविद्यालय में इंटरनेट आफ थिंग्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान जयंत सहस्रबुद्धे व प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. विक्रम सिंह, डॉ. एसके गर्ग, प्रवीण रामदास और डीपी भारद्वाज मौजूद रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में करीब 4600 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। जल्द ही विश्वविद्यालय का विस्तार फरीदाबाद-गुड़गांव मार्ग पर 20 एकड़ भूमि पर किया जाना है। जिसके बाद 15 हजार तक विद्यार्थी यहां पढ़ सकेंगे।

विश्वविद्यालय में हुआ सम्मेलन

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

AMAR UJALA

जेसी बोस विश्वविद्यालय में कौशल विकास सामुदायिक महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन करते एआईसीटीई चेयरमैन प्रो. सहस्रबुद्धे व अन्य।

NEWS CLIPPING: 01.12.2020

THE TRIBUNE

SPOT COUNSELLING FOR MTECH

Faridabad: The spot counselling for admission to MTech programmes in the emerging areas of Internet of Things (IoT), Artificial Intelligence (AI) and Robotics jointly offered by the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, and the National Institute of Technology of Technical Teacher's Training and Research (NITTTR), Chandigarh, will be conducted on December 4 and December 7 at NITTTR. Announcing this, a spokesperson of the university said the courses with affordable fee structure include MTech in computer science and engineering with specialisation in IoT, MTech in mechanical engineering with specialisation in robotics and MTech in electronics and communication engineering with specialisation in AI. Scholarships will be provided to the GATE qualified students under these courses.

The Tribune Tue, 01 December 2020 https://epaper.tribune